बृजवासी कान्हा थारी तो बंसी सब जग मोहनी

बृजवासी कान्हा,
थारी तो बंसी सब जग मोहनी।bd।

जबसे भनक पड़ी कानन में,
झपके आन खड़ी आंगन में,
बिजली सी चमके तन मन में,
बंसी है दुख खोवनी,
ब्रजवासी कान्हा,
थारी तो बंसी सब जग मोहनी।bd।

घर को छोड़ चली बृजबाला,
सुध बुध खोई भई बेहाला,
अब तो दर्शन दो नंदलाला,
डस गई नागन मोहनी,
ब्रजवासी कान्हा,
थारी तो बंसी सब जग मोहनी।bd।

ब्रह्मा वेद ध्यान शिव त्यागे,
जीव जंतु पक्षी सब जागे,
रास रचायो गोपियों के संग,
सूरत थारी सोहनी,
ब्रजवासी कान्हा,
थारी तो बंसी सब जग मोहनी।bd।

यमुना नीर धिर भयो सारो,
चरती गाय छोड़ दिया चारों,
भगत थारा दर्शन को प्यासो,
फेर जन्म नहीं होवनो,
ब्रजवासी कान्हा,
थारी तो बंसी सब जग मोहनी।bd।

बृजवासी कान्हा

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

Singer / Upload – Uma Sharma Chittoragh

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com